तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 22.2 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 मई 2024

11 परमात्मा की आज्ञाओं का हमें कठोरता से पालन करना ..

12 महमः 217 बूथों पर अपने मत का प्रयोग करेंगे लोग ...

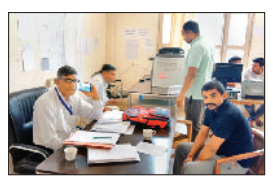

किराया हर महीने गारंटीड और कीमत बढ़ौतरी
44 फुट चौड़ी सड़के, पार्किंग व सीवर, पानी
अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर क्लिक करें : http://www.guptaproperty.in/
दुकान, शोरुम व प्लॉट के लिए संपर्क करें।
शुरू 11 लाख में दुकान
NOC ZONE
पक्की रजिस्ट्री
M. 9832100038
Gupta Property हिसार रोड NH 9 पर

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर।
- उपायुक्त कार्यालय में लोकसभा प्रत्याशी करेंगे नामांकन पत्र दाखिल।
- सीआर स्टेडियम के बूस्टर में जन स्वास्थ्य विभाग के जेई और कर्मचारी सुनेंगे पेयजल से सम्बंधित समस्याएं।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की बैठक।

खबर संक्षेप

एमडीयू में आज शुरू होगी कार्यशाला

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज, फैकल्टी ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी स्टडीज तथा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनोमिक चेंज के संयुक्त तत्वावधान में 6 मई से रिसर्च मैथडॉलोजी सात दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ होंगी। चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट की निदेशिका प्रो. सोनिया मलिक ने बताया कि प्रो. एससी मलिक तथा प्रो. राजेश धनखड़ इस कार्यशाला की कंवीनर तथा प्रो. विनीता शुक्ला व डॉ. नीलकमल कार्यशाला की कोआर्डिनेटर हैं। कार्यशाला प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगी।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

रोहतक। राष्ट्रीय आजाद युवा ऑर्गेनाइजेशन सोसायटी द्वारा पार्क में पीपल, नीम, इमली, आंवले आदि के पौधे लगाए। पौधरोपण के दौरान सभी ने इस कार्य को एक नेक कार्य बताते हुए कहा कि सभी कॉलोनीवासी मॉडल टाउन के सभी पार्कों में पौधा लगाएंगे ताकि शहर को तापमान, प्रदूषण आदि से मुक्ति मिल सके। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पौधे लगाना बहुत जरूरी है।

किशोर खेत में छिपा बैठा था, पुलिस ने धर दबोचा

रोहतक। थाना बहुअकबरपुर के एक गांव में एक किशोर पढ़ाई की वजह से लापता हो गया। परिजनों ने पुलिस के पास शिकायत दी तो पुलिस छात्र की तलाश में निकली। इस दौरान छात्र को खेत से बरामद कर लिया गया। वह पढ़ाई के डर से खेत में छिपा हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, एक परिवार ने शिकायत देकर बताया कि उनका 13 साल का बेटा अचानक लापता हो गया है।

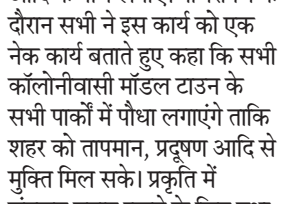

माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में 32 बच्चों का चयन

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में निःशुल्क पढ़ाई करने के लिए छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार ट्रस्ट की नई बिल्डिंग में लिया गया। इसमें 34 बच्चों ने इंटरव्यू में भाग लिया। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि 32 बच्चों का ट्रस्ट परिवार में चयन किया गया। ट्रस्ट के चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ उप प्रधान गोविंद सिंघल डीके जैन, संजय आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव: हथियार जमा न करवाने वालों पर सख्ती की तैयारी

7300 लोगों के पास हथियार, 80% ही जमा किए, बाकी को भेजे जाएंगे नोटिस

- प्रशासन ने दिया था हथियार धारकों को 15 अप्रैल तक का समय
- 25 मई को होना है लोकसभा चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

लोकसभा चुनाव को देखते हुए हथियार जमा नहीं करवाने वाले लोगों पर पुलिस ने सख्ती की तैयारी कर ली है। सोमवार से उनके घरों पर पुलिस नोटिस भेजने जाएगी। इसके बाद भी हथियार जमा नहीं करवाए गए तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई सहित हथियार लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया भी अमल में लाई जा सकती है।

अब तक करीब 80 प्रतिशत लोगों ने हथियार जमा करवाए हैं। जिला प्रशासन की तरफ से हथियार जमा करवाने के लिए 15 अप्रैल तक का समय दिया गया था। ऐसे में उन लोगों की लिस्ट बनाई जा रही है जिन्होंने आदेशों की पालना नहीं की। साथ ही पुलिस अवैध हथियार रखने वाले लोगों के खिलाफ भी अभियान चला रही है।

एसपी हिमांशु गर्ग ने हथियार जमा करवाए जाने की समीक्षा की। जिले में 7300 लोगों के पास हथियार हैं जिनमें से करीब 80 प्रतिशत लोगों ने हथियार जमा करवाए हैं। एसपी ने सभी पुलिस थानों के एसएचओ को आदेश जारी किए हैं कि उनके थाना क्षेत्र में जिन लोगों ने हथियार जमा नहीं करवाए हैं। उनकी लिस्ट बनाकर उन्हें नोटिस भेजे जाएं। अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आदेशों में साफ कहा गया है कि आमजन अपने हथियार पुलिस थानों या गन हाउस में भी जमा करवा सकते हैं। उन्होंने पुलिस थानों से भी हथियारों का डाटा मांगा है।

अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलेगा अभियान

एसपी हिमांशु गर्ग ने थानों की पुलिस के साथ ही सभी अपराध जांच शाखाओं को आदेश दिए हैं कि वे सघन चेकिंग अभियान चलाएं। इस दौरान अवैध हथियार रखने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए। हथियार बरामद कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। साथ ही नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग के लिए अभियान चलाए जाएं।

कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

जिले के हथियारधारकों को सूचना भेजी गई थी कि वे चुनाव को देखते हुए हथियार जमा करवा दें। अब तक करीब 80 प्रतिशत हथियार जमा हो चुके हैं। जिन लोगों ने हथियार जमा नहीं करवाए हैं, उन्हें नोटिस भेजे जाएंगे। साथ ही कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। -हिमांशु गर्ग, पुलिस अधीक्षक रोहतक

दूसरे जिलों में नौकरी करते हैं लाइसेंस धारक

जिन लोगों ने अभी तक हथियार जमा नहीं करवाए हैं, उनमें ऐसे भी लोग हैं जो बैंक या अन्य किसी व्यक्ति के पास पीएसओ या गार्ड की नौकरी करते हैं। उन्हें भी हथियार जमा करवाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा वीआईपी, नेता भी शामिल हैं। अति आवश्यक होने पर ही व्यक्ति प्रशासन से हथियार पास रखने की अनुमति ले सकता है।

15 अप्रैल तक करवाने थे हथियार जमा

हरियाणा में 25 मई को लोकसभा का चुनाव होना है। आदर्श आचार संहिता के चलते जिला निर्वाचन अधिकारी ने 15 अप्रैल तक सभी लाइसेंसी हथियार संबंधित थाने या फिर गन हाउस में जमा करवाने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही कहा गया है कि अगर किसी ने इस मामले में लापरवाही की तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोहतक। छापा चित्रण कला की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष संजय कुमार

मदवि: छापा चित्रण की तकनीक साझा की

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग में अंतर राष्ट्रीय छापा चित्रण दिवस मनाया गया। विभागाध्यक्ष संजय कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय छाया चित्रण दिवस की महत्ता से अवगत करवाया। उन्होंने भारतीय चित्रकला व छापा चित्रण कला के महान कलाकार सुधीरंजन भूषण द्वारा लिथोग्राफी और सीलस्क्रीन पेंटिंग से छापा तैयार किए चित्रण की तकनीकी विशेषताओं को साझा किया। उन्होंने छापा चित्रण में विभाग के दीपांशु, एश्वर्य, प्रिंस, राहुल, अमन, आनंद समेत अन्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों से भी अवगत करवाया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों ने विभिन्न छापा चित्रण के द्वारा छापा चित्रों को मुद्रित किया।

हर जिले में होना चाहिए अग्र कुलदेवी लक्ष्मी मंदिर

रोहतक। हुडा कांप्लेक्स स्थित जैड ग्लोबल स्कूल में रविवार को महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग धाम की मिट्टी व जल लेकर रोहतक पहुंचे, उन्होंने कहा कि रोहतक में बन रहे अग्र कुलदेवी लक्ष्मी मंदिर रोहतक समाज का सराहनीय कदम है, पूरे देश में कुछ स्थानों पर लक्ष्मी मंदिर है। समाज को हर जिले में एक लक्ष्मी मंदिर बनना चाहिए। उन्होंने धाम का पवित्र जल व मिट्टी ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश जैन को दिया। इस मौके पर उन्होंने महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट की पत्रिका का विमोचन भी किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश जैन ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा निर्माणाधीन महाराजा अग्रसेन भवन व कुलदेवी लक्ष्मी मंदिर अगले साल तक पूरा हो जाएगा।

10 साल बाद रोहतक में नीट, 4200 से ज्यादा छात्रों ने दी परीक्षा

रोहतक। रविवार को जिले में दस साल बाद राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से आठ केंद्रों पर 4200 से ज्यादा परीक्षार्थियों के परीक्षा में बैठने की व्यवस्था की गई। परीक्षा को नकल रहित व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधन किए गए। इसके तहत परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। साथ ही हर कमरे में सीसीटीवी कैमरे की पैनी नजर परीक्षार्थियों पर रहेगी।परीक्षार्थियों की पहचान के लिए बायोमीट्रिक हाजिरी भी दर्ज की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस पहरा रहेगा। बाहरी लोगों का परीक्षा केंद्रों में प्रवेश पूरी तरह निषेध किया गया है। परीक्षा दोपहर दो से शाम 5:20 बजे तक हुई। परीक्षार्थियों की पहचान व दूसरे की जगह परीक्षा देने वालों की रोकथाम के लिए बायोमीट्रिक हाजिरी लगाई गई। नीट परीक्षा के लिए रोहतक में आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें डीएवी स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल सुनारिया, मॉडल स्कूल, मॉडल स्कूल सेक्टर चार, पठानिया स्कूल, शिक्षा भारती, जोन वेस्ले और केंद्रीय विद्यालय शामिल है।

वैश्य कॉलेज में एलुमनी मीट में पुरानी यादों को साझा कर नम हुईं आंखें

- 2008 से अभी तक के पास आउट विद्यार्थी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पूर्व विद्यार्थियों के साथ प्राचार्या डॉ. तरुणा मल्होत्रा व अन्य प्रोफेसर।

वैश्य कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में एलुमनी मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। एलुमनी मीट में साल 2008 से लेकर अब तक के पास आउट विद्यार्थी शामिल हुए। जहां सभी ने अपने कॉलेज के टाइम की यादों व अनुभवों को सांझा किया। कुछ की आंखों पुराने पलों को याद करके नम हो गई। पूर्व विद्यार्थियों ने कहा कि यह सिर्फ हमारा कॉलेज ही नहीं है, बल्कि परिवार है, यहीं से शिक्षा और संस्कार प्राप्त कर हम सब अपने जीवन में सफल हो पाए हैं। इस मौके पर रोमांचक गतिविधियां भी करवाई गई और विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। इस दौरान म्यूजिकल चेयर गतिविधि का भी आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. तरुणा मल्होत्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये दिन हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने हमें अपने पूर्व विद्यार्थियों के साथ लंबे समय के बाद मिलने का अवसर प्रदान किया है, उन्होंने कहा कि यहां के पूर्व विद्यार्थी विभिन्न प्रभावशाली पदों पर आसीन हैं। मंच का संचालन डॉ. मधु साहनी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि नवीन कुमार जैन, विशिष्ट अतिथि राजेश नवल, राधे श्याम, कमेटी की संयोजिका डॉ. निधि, टीम सदस्य डॉ. कमलेश, डॉ. अंजु शर्मा, डॉ. राखी आदि मौजूद रहे।

रोहतक। छात्रों के साथ सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सेवा सिंह दहिया डॉ. राजेश कुमार व एसआरएम यूनिवर्सिटी सोनीपत की फैकल्टी डॉ. प्रीति डबास।

मदवि में अर्थशास्त्र विभाग के शोधार्थियों ने आर सॉफ्टवेयर की तकनीक सीखी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग ने आर सॉफ्टवेयर पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि आर सॉफ्टवेयर एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग शोधकर्ताओं द्वारा डेटा प्रविष्टि और विश्लेषण के लिए किया जाता है। स्वराज सदन में आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न संकायों के लगभग 50 शोधार्थियों ने भाग लिया और आर सॉफ्टवेयर के विभिन्न उपकरणों और तकनीकों को सीखा। एसआरएम यूनिवर्सिटी सोनीपत की फैकल्टी डॉ. प्रीति डबास ने इस कार्यशाला में प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया। इस कार्यशाला में डेटा प्रविष्टि, वर्णनात्मक विश्लेषण, सहसंबंध और प्रतिगमन, परिकल्पना का परीक्षण, महत्व के परीक्षणों के अनुप्रयोग, डेटा निर्यात और आयात, ग्राफ़ प्लॉटिंग आदि के विभिन्न पहलुओं पर कुल आठ सत्र आयोजित किए गए। आर सॉफ्टवेयर पर लाइव प्रदर्शन के अलावा, प्रतिभागियों के प्रभावी शिक्षण के लिए व्यावहारिक अभ्यास आयोजित किए गए। समापन सत्र के दौरान, सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सेवा सिंह दहिया और चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज की निदेशिका प्रो. सोनिया मलिक ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और उन्हें इस तरह के उन्नत अनुसंधान उपकरणों को और सीखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम मदवि में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

सतत विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका, दो दिनों में 465 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को सम्बोधित करते डीन,एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान एवं संगोष्ठी में उपस्थित यूआईईटी के प्राध्यापक, प्रतिभागी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी द्वारा-रिसर्च एंड इन्नोवेशन फॉर ससटेनेबल डेवलपमेंट पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार को संपन्न हो गई। सेंटर फॉर रिसर्च एंड इन्नोवेशन इंडिया तथा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, एमडीयू रोहतक यूनिट के सहयोग से आयोजित इस अंतर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 465 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

संगोष्ठी के समापन सत्र में आईआईटी नई दिल्ली के प्रो. विक्रम गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। प्रो. विक्रम गोयल ने कहा कि सतत विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि शोध एवं नवाचार से हर क्षेत्र में सतत विकास को प्राथमिकता की जरूरत है। हमें सतत विकास के उस चक्र को समझना होगा जो उस ज्ञान पर आधारित है जो प्रयोशालाओं एवं वैज्ञानिक संस्थानों से उत्पन्न होकर समाज के लिए लाभदायक सिद्ध होता है, ऐसा उनका कहना था। डीन,एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान ने अध्यक्षीय संबोधन में जीवन में शोध के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बदलती दुनिया में सतत विकास के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने यूआईईटी को इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

35 सत्र फिजिकल व ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए

प्रॉक्टर एवं फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजेश पूनिया ने बतौर की-नोट स्पीकर शिरकत की और इस संगोष्ठी के विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए शोध एवं नवाचार को मानव कल्याण पर फोकस करने की बात कही। यूआईईटी निदेशक प्रो. युद्धवीर ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 35 सत्र फिजिकल व ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए तथा 3 पोस्टर प्रेजेंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। कंवीनर प्रो. राहुल ऋषि ने संगोष्ठी में आयोजित गतिविधियों बारे जानकारी दी। आयोजन सचिव डा. हरकेश सहरावत व डॉ. विपिन कुमार ने कार्यक्रम समन्वयन किया। यूआईईटी के प्राध्यापक, प्रतिभागी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रत्येक गृहस्वामी अपने गृह का राजा और पत्नी रानी है। कोई गुप्तचर, चाहे देश के राजा का ही क्यों न हो, यदि उसके निजी वार्ता को सार्वजनिक घटना के रूप में प्रचारित कर दे, तो उसे गुप्तचर का अनाधिकार, दुष्टाचरण ही कहा जाएगा।

- महादेवी वर्मा

अभी यहाँ घर जैसा खाना मिलता है इसलिए लोग आते हैं। पैसा भी तो बच जाता है सर। और इनके थकान की बात तो निकाल ही दीजिये मन से। ये खेत में काम करने वाली हड्डियाँ हैं। हम लोग थक जाते हैं सर, पर ये नहीं।' मेरी नजरें फिर से उन दोनों से जा टकराईं। बिल अदा कर मैं बाहर निकल आया। मन उस ढाबे में अटक गया है। बहुत देर तक वे उदास आँखें मेरा पीछा करती रहीं।

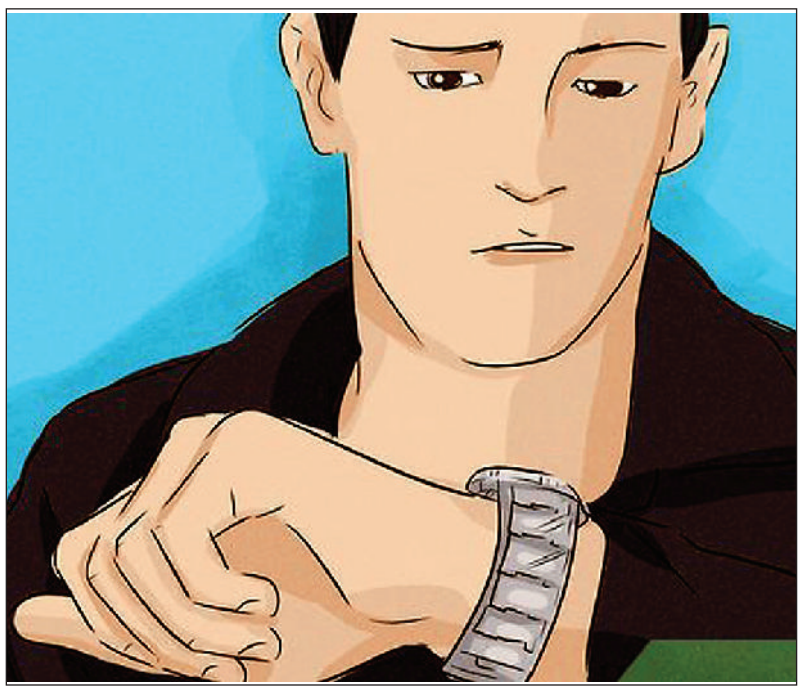

कहानी | आशा पाण्डेय

उदास आँखें

सुबह घर से निकलते समय ही तय कर लिया था कि आतिथ्य भोजनालय में रुक कर नाश्ता कर लूँगा। अमरावती से नागपुर के तीन घंटे के सफर में डेढ़ घंटे बाद पड़ने वाले आम के बगीचों के बीच बना भोजनालय अभी कुछ महीनों पहले ही खुला है। वहां का दही-पराठा बहुत फेमस है। भोजन भी घर जैसा स्वादिष्ट होता है। इस बार मैं भी उस भोजनालय का स्वाद लेना चाहता हूँ।

ड्राइवर को आतिथ्य भोजनालय में रुकने को कह, मैं सीट से सिर टिका कर आँखें बंद कर, आज होने वाली मीटिंग के बारे में सोचने लगा। कई दिनों से कार्य की अधिकता की वजह से सो नहीं पा रहा था, इसलिए आँखें बंद करते ही नींद में चला गया। जगा तब, जब ड्राइवर ने आवाज लगाई – "साहब आतिथ्य भोजनालय" आ गया।"

चौंककर मैंने आँखें खोली– तो मैं डेढ़ घंटा सो लिया ..!

"चलो नाश्ता कर लिया जाए।" ड्राइवर से कह मैं कार से बाहर आ गया।

बाहर गर्म हवाएँ एक झोंके की तरह आम के पेड़ों से टकरा कर बह रही हैं। मैंने घड़ी देखा, सुबह के नौ बजने वाले हैं, लेकिन लग रहा है, दोपहर हो गई हो जैसे। जुलाई की सुबहें कुछ देर बाद ही अपनी नरमाहट भूल कर उमस भरी चिपचिपी हो जाती हैं। भोजनालय में पहुँचकर मैंने चारों तरफ एक नजर दौड़ाई- हरी क्यारियों और गझिन पेड़ों के बीच बाँस की फट्टियों को कलात्मक तरीके से जोड़कर दो-तीन छोटी-छोटी गुमटियाँ बनाई गईं हैं। ग्राहकों के बैठने के लिए पेड़ों के नीचे गोल टेबल और कुर्सियां रखी हैं, वहीं पास में रंग-बिरंगे मटके बड़े करीने से सजे हैं। अभी-अभी हुए पानी के छिड़काव से मिट्टी की सौंधी महक उठ रही है,जो मुझे पीछे किसी याद में ले जाने को मचल रही है। यूँ इस जगह पर आकर मुझे तरो-ताजा और खुश महसूस करना चाहिए, किन्तु न जाने क्यों सब कुछ सूना-सूना और उदास लग रहा है।

मेरे आते ही एक युवक फुर्ती से मेरे पास आया और बड़ी गर्मजोशी से स्वागत करते हुए मुझे एक टेबल की ओर ले गया। मैं इधर-उधर देख कर एक घने पेड़ की छाँव में बैठ गया। उस टेबल से दस कदम की दूरी पर बाँस से घिरी खुली रसोई है। चूल्हे के पास साठ-पैंसठ वर्ष की एक वृद्ध महिला गुमसुम बैठी है। वह इधर की ओर देख रही है। उसके आस-पास बड़े-बड़े भगोने ढके हुए रखे हैं। चूल्हे से कुछ दूरी पर एक कुर्सी-मेज लगी है। जहाँ एक वृद्ध बैठा है।

भोजनालय में भीड़ नहीं है। बस, एक दो परिवार, जो नाश्ता कर उठने वाले थे, दिखे।

मेरे बैठते ही एक लड़का मेरा टेबल साफ कर पानी का जग और मेन्यू कार्ड रख गया। फिर वह युवक, जिसने बढ़कर मेरा स्वागत किया था, आया।

'बताएं सर, क्या लेना पसंद करेंगे? रस्सा-पोहा, बटाटा बड़ा, दही पराठा ..? जो कहें आप। भोजन करने का मन हो, तो गर्मागर्म झुनका-भाखर भी तैयार मिलेगी।'

'नहीं, अभी भोजन का समय नहीं है, दही-पराठा लगवा दो। उधर ड्राइवर से पूछ लो, वह जो लेना चाहे जल्दी बन तो जायेगा न ?' मैंने घड़ी देखते हुए पूछा।

'जी सर, बस दस मिनट' कहकर वह उस महिला को हांक लगाया- 'फटाफट दो पराठे और दही भेजवा इस टेबल पर।'

वृद्ध महिला की उदास आँखें और उदास हो गईं। वह जलती लकड़ी को चूल्हे में सरका कर आटे की लोइयाँ बनाने लगी। कुछ दूर पर बैठे वृद्ध के चेहरे पर अजीब-सी बेचैनी छा गई। मेरा मन द्रवित हुआ —इस उमर में नौकरी! मजबूरी होगी!

युवक की हांक जारी है- जल्दी कर माँ! एक बन जाये तो थाली लगाकर दे। फिर दूसरा संकती रहना।' फिर मेरी ओर मुखातिब होकर बोला – 'सर, एक के बाद एक गरम-गरम मिलता जायेगा आपको। चूल्हे का करारा सिंका पराठा .. मजा आ जायेगा आपको।'

उस महिला के लिए युवक का 'माँ' संबोधन मुझे अच्छा लगा। मैंने सोचा–युवक बुजुर्गो का आदर करना जानता है। मेरे पास से हटते ही उसने फिर से महिला को आवाज लगाई – 'जल्दी भेज इस टेबल पर नाश्ता...अभी तक सिंका नहीं?'
महिला पराठा रखने के लिए प्लेट उठा रही थी। लड़के के बोलते ही न जाने कैसे उसके हाथ से प्लेट छूटकर गिर गई। लड़का चिल्लाया–क्या कर रही है? सबेरे-सबेरे ही तेरे हाथ से बरतन छूट रहे हैं? झूमते हुए काम करती है क्या, जल्दी ला।'

युवक के लिए थोड़ी देर पहले मेरे मन में उपजे विचार तिरोहित हो गए। मैं उस महिला को देखने लगा। प्लेट में दही-पराठा,अचार सजा कर महिला घुटने पर हाथ रख उठी और धीरे-धीरे चलते हुए प्लेट मेरी टेबल पर रख गई। मैं नाश्ता करने लगा। पराठा वाकई स्वादिष्ट बना है। खाते-खाते मेरी निगाहें पराठा सेंकती महिला पर ठिठकती रहीं। चूल्हे की आँच के सामने लाल हुए झुलसे चेहरे की कसक लिए महिला तल्लीनता से पराठा बेलने,सेंकने में जुटी है और एक-एक कर टेबल पर पहुँचाये भी जा रही है।

नाश्ता हो जाने के बाद जब वह प्लेट उठाने आई तब मैंने पराठे के स्वाद का बखान कर दिया। वह कुछ झेपी,हिचकिचाई,फिर प्लेट उठाकर चली गई।

युवक बिल लेकर मेरी टेबल पर आया। आत्मविश्वास से भरी उसकी आँखें चमक रही हैं। उसने पूछा, "सर पराठा अच्छा लगा न ?"

"हाँ यार, बहुत स्वादिष्ट थे पराठे ङ्क माता जी के हाथों में जादू है ङ्क पर इस उम्र में नौकरी ..?"

" नहीं सर, नौकरी नहीं ङ्क ये मेरी माँ हैं। और उधर जो कुर्सी पर बैठे हैं, वे पिता हैं।"

मैं अवाक, बस "अच्छा " कह पाया। ये इसके माता पिता हैंङ्क. फिर भीङ्क! मेरी आवाज घुटकर रह गई। "हाँ सर, ये दोनों घर में बैठे बोर होते रहते थे। कुछ काम धंधा नहीं था इनके पास, घर के लोग भी दिन भर वही-वही चेहरा देख देखकर बोर होते थे ङ्क बस बैठा दिया यहाँ।' कहते हुए लड़का किसी रहस्य- सा मुस्कराया फिर आगे बोला– अब यहाँ दिनभर लोगों के बीच में मन लगा रहता है इनका। एक बाई भी है, आज छुट्टी पर है। दोनों मिलकर सम्भाल लेती हैं। आप तो देख रहे हैं, एक लड़का भी रखा है। आराम से हो जाता है सब।' युवक माँ-बाप की उम्र, थकान, निराशा को न सुनना चाहता है न सोचना। महिला खमोश हो हमारी बातों को सुन रही है। 'ये जगह तुम्हारी है या किराये पर लिए हो?'

> *"बाहर गर्म हवाएँ एक झोंके की तरह आम के पेड़ों से टकरा कर बह रही हैं। मैंने घड़ी देखा, सुबह के नौ बजने वाले हैं, लेकिन लग रहा है, दोपहर हो गई हो जैसे। जुलाई की सुबहें कुछ देर बाद ही अपनी नरमाहट भूल कर उमस भरी चिपचिपी हो जाती हैं।भोजनालय में पहुँचकर मैंने चारों तरफ एक नजर दौड़ाई– हरी क्यारियों और गझिन पेड़ों के बीच बाँस की फट्टियों को कलात्मक तरीके से जोड़कर दो–तीन छोटी–छोटी गुमटियाँ बनाई गईं हैं। ग्राहकों के बैठने के लिए पेड़ों के नीचे गोल टेबल और कुर्सियां रखी हैं, वहीं पास में रंग–बिरंगे मटके बड़े करीने से सजे हैं। अभी–अभी हुए पानी के छिड़काव से मिट्टी की सौंधी महक उठ रही है,जो मुझे पीछे किसी याद में ले जाने को मचल रही है। यूँ इस जगह पर आकर मुझे तरो–ताजा और खुश महसूस करना चाहिए, किन्तु न जाने क्यों सब कुछ सूना–सूना और उदास लग रहा है।"*

मैंने बात बदलने की कोशिश की।

'मेरी खुद की है। बाबा (पिता)ने खरीदा था। हाइवे पर है, तो ख्याल आया कि यहाँ ढाबा शुरू कर दिया जाये तो अच्छी कमाई होगी।'

'वो तो ठीक है, पर एक कुक रख लो यार, माता जी चूल्हे के सामने...थक जाती होंगी। अब इनके आराम के दिन हैं।' न जाने कैसे मेरे भीतर उमड़ता गुबार बाहर आ गया।

'कुक रखने के बाद तो हमारा ढाबा भी अन्य ढाबों जैसा ही हो जायेगा न सर,... अभी यहाँ घर जैसा खाना मिलता है इसलिए लोग आते हैं। पैसा भी तो बच जाता है सर। और इनके थकान की बात तो निकाल ही दीजिये मन से। ये खेत में काम करने वाली हड्डियाँ हैं। हम लोग थक जाते हैं सर, पर ये नहीं।'

मेरी नजरें फिर से उन दोनों से जा टकराईं, जो बेटे की बातों को सुनते हुए उन्हें हजम करने को मजबूर दिखीं।

बिल अदा कर मैं बाहर निकल आया । मेरी गाड़ी नागपुर की ओर आगे बढ़ रही है और मन उस ढाबे में अटक गया है। बहुत देर तक वे उदास आँखें मेरा पीछा करती रहीं।

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

कविता | अन्नू प्रिया

खत्म होती उम्र

गांवों के अंधियारे चौबारों में
खेलता हुआ भूखा बचपन
आधार कार्ड पर नाम सही नहीं
मनरेगा में पालकों का
रोज कम मिल रहा श्रमदान
रोज एक पहर भोजन लिए
हर रात भूखा सोता बचपन
हाथ में कलम के बजाए
चौराहे पर खड़े हो पिता संग
मजदूरी खोज रहा यौवन,
महज 50-100 रुपये लिए
धूप में झुर्रियों संग खेतों में
खत्म हो गया मन का सावन
ये भूख की आग ऐसी है कि
दाह-संस्कार से पहले खाते में
टटोले लिए जाते हैं पैसे।
बीमा कंपनी में क्लेम मिल जाए
आंगन में अकड़ा हुआ पड़ा है,
घरवाले बीमा और बंटवारे सोच रहे।
दिल्ली मुंबई लिए सूटकेस-बैग भरे,
जनरल बोगी में ठूंसे हुए अभागे,
सोच रहे सपनों के पूरा होने लिए
निकल पड़े अपने मन के अंधियारे से
गगनचुंबी इमारतों में खोने-गिरने लिए।।

कविता | निधि राठी

खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।
पुराने ख्यालों की लड़की है, हल्की सी बिंदी
और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग
ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती
है, सूरज को मात देती है, यूं तो फूल सी
नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।
बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है,फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के शोर से,
कुछ इस कदर जज़्बातों को संभाल जाती है।

बाल गीत | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

भारत का गौरव गान

नन्ही मुनी जान हु मैं अतीत का तौफान
भारत का गौरव गान हु मैं वीरों की
सन्तान

सुनी कहानी वहीं पुरानी शेरों वाली
दिन का उजाला परखी रात अंधेरे वाली
तम भी ग़म जाता जब सज रात में मान
भारत का गौरव गान

हमनें जानी कुर्बानी पुर्वजों से पाई
पगडंडी पर पैर धरे सिंधी मिलती
राही
लक्ष्य भेदी नजर हमारी केन्द्र पर है
ध्यान
भारत का गौरव गान

सत्य अहिंसा प्रम धर्म है अपना
निर्भय निड़र धीर वीर मोत समझते
सपना
सबक सिखाकर दुशमन को करें
नहीं अभिमान
भारत का गौरव गान

दीन हीन को दिया सहारा अश्रु धारा
रोकी है
निर्बल को बल देकर ज्यान स्वम की
झोंकी है
महेन्द्र सिंह इस देव धरा को पुजे
सकल जहान
भारत का गौरव गान

लघुकथा | सुरेश हिंदुस्तानी

दुआ का असर

ममता ! अरी ओ ममता ! अरे आज आप ऑफिस से जल्दी आ गए। अरविन्द के चेहरे पर कुछ उदासी के भाव थे। अरविन्द ने कहा ममता जल्दी से बैग में कपडे रखो। हमें शाम की ट्रेन से भोपाल निकलना है। पिताजी की तबियत खराब है। मैंने ट्रेन के दो टिकट ऑनलाइन बुक कर लिए हैं। ममता ने भी वक्त को समझा और झटपट कपड़े निकालने लगी। जनवरी का महीना होने के कारण सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़े भी निकाल लिए। तैयारी करते करते साढ़े चार बज गए। अरविन्द ने कहा हमें अभी निकलना चाहिए। ट्रेन छह बजे की है। 15 से 20 मिनट स्टेशन पर ही लग जाते हैं। दोनों बाहर आए और ऑटो रिक्शा करके स्टेशन चल दिए। लगभग 40 मिनट बाद स्टेशन पहुँच गए और ट्रेन पकड़ी। इसी ट्रेन में एक मजदूर दम्पति भी अपने दो छोटे बच्चों के साथ सफर कर रहे थे। जब ट्रेन आगरा से निकली, तब सर्दी ने अपना असर दिखाना प्रारंभ कर दिया। मजदूर दंपत्ति पर ठण्ड का असर दिखने लगा था। हाँ मजदूर की पत्नी एक पतला सा शाल ओढ़े हुए थी। बच्चे भी नाम मात्र को गर्म कपड़े पहने हुए थे। मजदूर की हालत देख अरविन्द ने रघुनाथ से पूछ ही लिया कि आप गर्म कपड़े पहन लीजिए। रघुनाथ ने बात को सुनते हुए भी अनसुना कर दिया। तभी अरविन्द ने कहा ममता मेरा वह गर्म बनियान निकाल देना जरा। ममता भी सेवा भावी स्वभाव की थी इसलिए उसने तत्काल ही गर्म कपड़ा निकाल दिया। रघुनाथ ने कहा कि रहने दीजिए साहब। तब अरविन्द ने कहा - मुझे अपना बड़ा भाई समझकर ले लीजिए। इसके बाद रघुनाथ ने धीरे से अपना हाथ बढ़ाया, लेकिन फिर से हाथ रुक गए। अरविन्द ने जबरदस्ती गर्म कपड़ा रघुनाथ के हाथ में रख दिया। अरविन्द ने कहा कि अब इसे पहनो। रघुनाथ को अरविन्द के इस शब्द में अपनत्व दिखा और वह कपड़ा पहन लिया। मजदूर की पत्नी ने अरविन्द को दुआ देते हुए कहा कि भाई साहब आज के जमाने आपके जैसे बहुत कम लोग हैं। अब रघुनाथ को सर्दी का अहसास नहीं था। उसकी बातों में भी खुलापन आ गया। रघुनाथ ने अरविन्द से कहा कि भाई साहब आप इतने अच्छे मन के है तो आपके पिता बहुत अच्छे होंगे। उनको भगवान लम्बी उम्र दे। इतने में ही अरविन्द को अपने पिता का ध्यान आया। अरविन्द ने ममता से कहा कि पता नहीं पिताजी की तबियत कैसी होगी। यह बात मजदूर की पत्नी ने भी सुनी। उसने कहा भाई साहब आपके पिताजी को कुछ नहीं होगा। वो ठीक हो जाएंगे। इतने में ट्रेन में नींद का झोंका आ गया, लेकिन आँखों से नींद दूर ही थी। फिर भी अपनी अपनी सीट पर लेट गए। सुबह पांच बजे ट्रेन भोपाल पहुँच गई। रघुनाथ ने अरविन्द का सामान उतारने में मदद की। उन्होंने स्टेशन से ऑटो किया और घर पहुँच गए। चूँकि पिताजी अस्पताल में भरती थे, इसलिए ममता और अरविन्द अस्पताल चल दिए। अस्पताल में अरविन्द के बड़े भाई प्रवीण भी मिल गए। अरविन्द को देखकर प्रवीण की आँखों में आंसू आ गए। अरविन्द भी किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत हो गया। इतने में ही चिकित्सक आ गए। चिकित्सक ने कहा कि कल रात्रि तक आपके पिताजी की तबियत बहुत खराब थी। कोई दवा भी काम नहीं कर रही थी। अब यह ठीक लग रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन पर दवाओं का नहीं किसी की दुआ का असर हुआ है। तभी यह बच गए। वरना हमने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी। चिकित्सक के इतना कहने के बाद ही ममता और अरविन्द के सामने ट्रेन वाले मजदूर के परिवार का चेहरा घूम गया। अरविन्द को महसूस हुआ कि दुआओं का असर होता है।

साहित्य के प्रति युवा पीढ़ी की घटती रुचि का मुख्य कारण करियर बनाने की गला- काट स्पर्धा है। हमें ऐसा नूतन व गूढ़ सृजन करना होगा जिससे हमारी युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा हो । सकारात्मक प्रयासों से युवा पीढ़ी को साहित्य से जोड़ सकते हैं ।

साक्षात्कार | शशि कांत चौहान

नूतन सृजन युवाओं में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करेगा: गुलिया

कहते हैं साहित्य समाज का दर्पण है लेकिन साहित्य दर्पण से भी बढ़कर है क्योंकि दर्पण तो किसी वस्तु का बाह्य रूप दर्शाता है, जबकि साहित्य समाज के अन्तर्मन की अभिव्यक्ति है। साहित्य समाज के मूल्यों का निर्धारक है। यह बात साहित्यकार राजपाल सिंह गुलिया ने हरिभूमि से विशेष बातचीत में कही।

उनका कहना है कि साहित्य समाज का एक सशक्त अंग होता है। साहित्य अतीत से प्रेरणा लेता है, वर्तमान को चित्रित करता है तथा भविष्य का मार्गदर्शन करता है। किसी भी लेखक के लेखन का आरम्भ स्वान्तः सुखाय होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो लेखन रचनाकार का साहित्यिक अभिव्यक्ति में भोगा हुआ यथार्थ होता है। जो एक सुनिश्चित स्वरूप व खास शिल्प में आमजन के सामने आता है। यह गढ़ना या गढ़ने की क्षमता उसे आम से खास बनाती है। राजपाल सिंह गुलिया का जन्म 27 दिसम्बर 1964 को गाँव जाहिदपुर, झज्जर (हरियाणा) में हुआ। उनके पिताजी का नाम श्री धुपल सिंह व माता जी का नाम श्रीमती खीमा देवी है। मेरे मात-पिता पढ़े लिखे भले नहीं थे, मगर ये उनकी दूरदर्शिता का परिणाम था कि उन्होंने बच्चों को न केवल साक्षर बल्कि शिक्षित भी किया। गाँव में पाँचवीं तक की प्राथमिक पाठशाला होने के कारण सभी बहनों को कक्षा पाँच तक पढ़कर ही संतोष करना पड़ा, लेकिन राजपाल ने सन 1984 में नेहरू कालेज झज्जर से बी.ए. पास किया उधर घर वालों ने शादी तय कर दी। परिवार में कोई साहित्यक माहौल नहीं था, मगर कालेज के दिनों में शेरो शायरी का शौक तो था, लेकिन उन्होंने उसे गंभीरता से नहीं लिया । शादी के पश्चात वह 06 दिसम्बर 1985 को भारतीय सेना की सेना शिक्षा कोर में शिक्षा अनुदेशक के पद पर भर्ती हो गए। सेना में सेवाकाल के दौरान दूसरा स्थानांतरण पठानकोट हुआ तो यहीं से लेखन का सूत्रपात हुआ। ब्रिगेड के पुस्तकालय का चार्ज लेते ही लगा कि बरसों की मुराद अब पूरी हुई है। वहाँ पर रामधारी सिंह दिनकर, अमृतलाल नागर, रांगेय राघव, मुंशी प्रेमचंद और भी न जाने कितने स्वनाम धन्य लेखकों की पुस्तकें पढ़ीं, क्योंकि घर में या घर से दूर-दूर तक साहित्य का 'स' तक नहीं था। उन दिनों दैनिक ट्रिब्यून में सोमवार को कथा-कहानी परिशिष्ट आता था। वह भी उस पत्र में लिखना चाहते थे, लेकिन उनके एक शुभचिंतक ने चेताया कि आप सेना में रहते हुए नहीं लिख सकते । सारा जोश ठंडा हो गया। उसने आगे बताया कि आप अपनी पत्नीं के नाम से रचना भेज सकते हैं । एक अनुभवी साथी ने बताया कि आप लिख सकते हैं, मगर उसमें सेना की छवि को धूमिल करने वाली बात या सेना संबंधी कोई सूचना नहीं होनी चाहिए । बस फिर क्या था, 24 जनवरी 1996 को पहली लघुकथा 'डायन ' प्रकाशित हुई । फिर तो सिलसिला चल निकला पंजाब केसरी में 'खबरों की मुरम्मत' कॉलम के लिए साल दो साल खबरों की मुरम्मत भी की। पठानकोट से स्थानांतरण के बाद समाचार-पत्रों में प्रकाशन का सिलसिला बंद हो गया। सेना की घुमंतु व भागदौड़ भरी दिनचर्या ने लेखन लगभग भूला ही दिया। सन 2005 में सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पश्चात उस्ताद लोगों से छंद का ज्ञान लिया तथा दोहे, कुण्डलिया , बालगीत , कह मुकरी व मुक्तक आदि रचने प्रारंभ किए । मात्रिक ज्ञान डॉक्टर श्याम सखा 'श्याम' व डॉक्टर रामनिवास मानव से लिया तथा कुण्डलिया छंद की बारीकियाँ त्रिलोक सिंह ठकुरेला से जानी। उन्होंने गंभीर लेखन उम्र के उस पड़ाव में प्रारंभ किया जिस उम्र में बहुत से नौजवान शायर ग़ज़ल कहना छोड़कर अपनी घरेलू जिम्मेदारियाँ संभाल लेते हैं। उनके प्रथम दोहा संग्रह 'उठने लगे सवाल' का विमोचन हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 06 नवम्बर 2018 को हरियाणा साहित्य अकादमी सभागार पंचकुला में किया था।

प्रकाशित पुस्तकें

उनकी अनेक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। उनके विभिन्न विधाओं में लिखी पुस्तकों में उठने लगे सवाल (दोहा संग्रह), इतनी सी फ़रियाद (कुंडलियाँ संग्रह), निर्मल देश हमारा (बाल कविता संग्रह), देगा कौन जवाब (दोहा संग्रह), समकालीन दोहा कोश, दोहा द्वीप, दोहा दर्पण, आधुनिक दोहा, मानक कुंडलियाँ, 101 प्रतिनिधि दोहाकार, दोहे के सौ रंग, दोहे मेरी पसंद के, मनोभाव की अभिव्यक्ति, नयी सदी के दोहे, हिंदी हाइकु कोश, बूँदों की चौपाल, अभिनव कुंडलियाँ , कुंडलियाँ कुसुम, इक्कीसवीं सदी की कुंडलियाँ, आज के दोहाकार,समकालीन कुंडलियाँ शतक, समकालीन दोहा शतक, मन का मनका फेरते तथा दोहा द्वीप आदि शामिल हैं। इसके अलावा देश के स्तरीय पत्र – पत्रिकाओं में भी गुलिया की रचनाओं का निरन्तर प्रकाशन होता रहता है।

राजपाल सिंह गुलिया

पुरस्कार व सम्मान

राजपाल सिंह गुलिया को विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है, इनमें शब्द गुंजन दोहा सम्मान 2018, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव सम्मान 2019, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान, नवसृजन कला प्रवीण अवार्ड, निर्मला स्मृति हिन्दी साहित्य गौरव सम्मान 2021, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' स्मृति सम्मान, कादम्बरी स्व. भगवती प्रसाद दुबे सम्मान, डॉ. स्वर्ण किरण शिखर बाल साहित्य सम्मान व चौधरी गुगन राम सिहाग साहित्य वाचस्पति सम्मान शामिल हैं। वे दोहा, कुंडलिया, ग़ज़ल, नवगीत, बाल गीत व मुक्तक विधाओं में लिखते हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: राजपाल सिंह गुलिया
जन्म : 27दिसम्बर 1964
शिक्षा : स्नातक , शिक्षण में डिप्लोमा .
संप्रति : सेना शिक्षा कोर में शिक्षा अनुदेशक (19 वर्ष) व हरियाणा शिक्षा विभाग में अध्यापक (17 वर्ष) पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात अब स्वतंत्र लेखन ।

घटनाओं की विस्तृत जानकारी देती 'समग्र सामयिकी'

पुस्तक : समग्र सामयिकी
लेखक : नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मूल्य : 249 रुपये
प्रकाशक : किताब राइटिंग

पुस्तक समीक्षा | मनीषा मंजरी

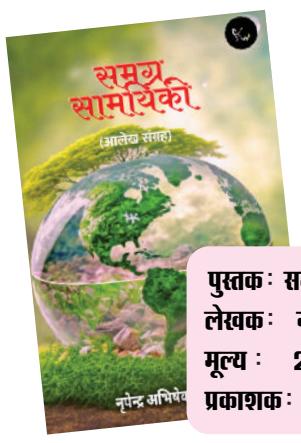

आलेख लेखन हिंदी साहित्य की एक ऐसी कला है, जिसके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान से पाठकों को अवगत कराने की कोशिश की जाती है। वर्तमान में घटित हो रही घटनाओं को अतीत और भविष्य के प्रभावों से जोड़कर आलेखों को सूक्ष्मता से विश्लेषित किया जाता है। आलेख कला मुख्यतया विवादास्पद मुद्दों पर प्रकाश डालती है जिनके विषय वृहद होते हैं, जैसे राजनीति, पर्यावरण, कानून, विज्ञान- प्रौद्योगिकी, अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, सामजिक, आर्थिक इत्यादि। वैचारिक और बौद्धिक मतभेदों से जूझते समकालीन स्थितियों को समझते हुए प्रसिद्ध लेखक, स्तंभकार, निबंधकार एवं शोधार्थी नृपेंद्र अभिषेक नृप अपनी तीसरी पुस्तक 'समग्र-सामयिकी' लेकर आये हैं। जिसमे विभिन्न विषयों पर आधारित पैंतीस आलेखों को कलमबद्ध किया गया है। छह खण्डों में विभक्त ये पुस्तक रोचक मुद्दों की सजग विवेचना करती है। यूँ तो जब ये पुस्तक हाथों में आती है तो सामान्य सी प्रतीत होती है, परन्तु पृष्ठ दर पृष्ठ पलटते हुए कब आप आखरी पन्ने तक पहुँच जाते हैं ये आभास हीं नहीं रहता।

नृपेंद्र अभिषेक अपनी पुस्तक की शुरुआत पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों से करते हैं, जहां उन्होंने पर्यावरण संकट के कारण पृथ्वी को होने वाली क्षति और विनाशकारी प्रभाव की गूढ़ चर्चा की है। उन्होंने इस तथ्य को गहनता से समझाया है कि मानव अपने विकास की तर्ज पर किस तरह धरती का सबसे बड़ा शत्रु बन बैठा है। अपने दूसरे आलेख में वो प्लास्टिक प्रदूषण की सांख्यिकीय विवेचना करते हैं, वहीं जैव-ईंधन के लाभ प्रयासों के बारे में जानकारी देते हैं।

दूसरे खंड की ओर अग्रसर होते हीं विज्ञान और प्रौद्योगिकी से सम्बंधित मुद्दे प्रकाश में आते हैं, जहां उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक आदि जैसे विकसित हो रहे तकनीकों से भविष्य को नयी उम्मीदों की रौशनी को संरचित होते बताया है। विभिन्न रिपोर्ट और आंकड़ों के आधार पर नृपेंद्र अभिषेक भुखमरी के बढ़ते स्तर से अवगत कराते हैं और सरकारी प्रयासों की चर्चा करते हैं। इसी प्रकार वो बाल-श्रम, बढ़ती आबादी, बेरोजगारी और सड़क हादसों जैसे विषयों का सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। इस तरह ये पुस्तक आर्थिक विषयों के खंड तक पहुँचती है और गिग इकॉनमी, जैविक खेती की चुनौतियों से हमारा परिचय करवाती है।

खबर संक्षेप

अवैध शराब ले जाते हुए युवक को दबोचा

बहादुरगढ़। स्थानीय पुलिस ने एक आरोपी को दो बैगों में अवैध देशी शराब भरकर ले जाते हुए काबू किया। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए सीआईए-2 बहादुरगढ़ प्रभारी विवेक मलिक ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि परनाला का निवासी उमेश अवैध शराब लेकर दिल्ली जाने की फिराक में है और फिलहाल पुराना बस अड्डे पर है। इस पर एक टीम पुराना बस स्टैंड के पास पहुंची तो वहां पर एक व्यक्ति दो बैग लिए हुए दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसको संदेह के आधार पर काबू किया। आरोपी की मौके पर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से अवैध शराब देशी के 150 पव्वे बरामद हुए।

सट्टा खाईवाली करता काबू, राशि जब्त की

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा-2 ने सरेआम सट्टा खाईवाली के आरोप में एक युवक को काबू किया है। उसके खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है। सीआईए प्रभारी विवेक मलिक के अनुसार, मुख्य सिपाही सोनू कुमार की टीम द्वारा एक आरोपी को नंबर लगाकर सट्टा खाई वाली करते नजफगढ़ रोड नजदीक चौगान माता के पास से काबू किया गया। आरोपी की तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 3360 रुपये और सट्टा पर्चियां बरामद हुई। आरोपी की पहचान अभिषेक निवासी अशोक नगर के तौर पर हुई।

जैविद खाद के साथ फसल चक्र अपनाएं

बहादुरगढ़। कृषि विभाग द्वारा किसानों को जैविक खाद का प्रयोग करने तथा फसल चक्र अपनाने की सलाह दी जा रही है। एसडीओ डॉ. सुनील कौशिक के अनुसार भूमि की उर्वकता बढ़ाने के लिए किसानों को प्रतिबंधित पेस्टीसाइड और रसायनिक खादों का इस्तेमाल बंद करना होगा। वहीं फसल चक्र अपनाने के साथ-साथ जैविक खाद का नियमित प्रयोग करना होगा। इन दिनों किसान यूरिया, डीएपी, एनपीके, पोटाश, सल्फर, जिंक का अंधाधुंध इस्तेमाल कर रहे हैं। रसायनिक खादों एवं खतरनाक पेस्टीसाइड के इस्तेमाल से भूमि में पोषक नाइट्रोजन एवं फास्फोरस समेत कई अन्य तत्वों की कमी आई है।

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानंदमठ में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन

परमात्मा की आज्ञाओं का हमें कठोरता से पालन करना चाहिए

■ महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों को अपनाएं : सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानंदमठ रोहतक में मासिक वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सुबह 9 बजे यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य संतराम रहे। उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा की आज्ञाओं का हमें कठोरता से पालन करना चाहिए एवं ऋषि-मुनि, महापुरुषों के बताए हुए मार्ग पर चलने का प्रयत्न करना चाहिए। इसके बाद बहन दया आर्या, सत्यनारायण आर्य एवं आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के भजनोपदेशक सत्यपाल मधुर ने अपने भजनों के माध्यम से प्रभु-भक्ति, देश-भक्ति, भारत देश की वर्तमान दुर्दशा तथा ऋषिवर देवदयानंद द्वारा समाज के लिए किए गए उपकार आदि के बारे में सुंदर संदेश दिया। मंच संचालन सुभाष सांगवान प्रधान वेदप्रचार मंडल किया। उन्होंने बताया कि हम सबको अपने महापुरुषों को याद करना चाहिए, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है। उन्होंने महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती को ऋषि उद्यान अजमेर जाने की प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी आर्यजन अपने दल-बल के साथ शामिल होकर ऋषि दयानंद के प्रति अपनी सहानुभूति प्रकट करें।

मुख्यवक्ता डॉ. सुरेंद्र कुमार (पूर्व अध्यक्ष, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय) ने बहुत ही सुन्दर एवं सरल शब्दों में प्रवचन के माध्यम से मनुष्य के उत्तम जीवन के प्रमुख उद्देश्य पर विचार रखे। उन्होंने सर्वप्रथम मानव जीवन से संबंधित अनेक महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी। साथ ही आत्मा से परमात्मा का संबंध क्या है, इस विषय पर भी चर्चा की। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती के विषय में बताया कि महर्षि के संबंध में अनेक संस्मरण हैं। महर्षि दयानंद सरस्वती ने समाज के लिए अनेक कार्य किये। डॉ. सुरेंद्र कुमार ने भी महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने के लिए कहा। मनुष्य अपने स्वभाव व प्रवृत्ति से अपना निर्माण करता है। उसकी जैसी प्रवृत्ति होगी उसका परिणाम उसी प्रकार से होगा। सभी आर्यजनों को स्वाध्याय एवं सत्संग से जोड़ने का भी प्रयास किया और कहा कि हम आर्यों को पुरुषार्थ एवं शुभकर्म करने चाहिए। शांतिपाठ के बाद ऋषिलंगर का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा के वेदप्रचाराधिष्ठाता रमेश आर्य, बहन दया आर्या, आचार्य संतराम, हवासिंह राठी, रामकिशन बाल्याण रिटायर्ड तहसीलदार सहित अन्य उपस्थित रहे।

रोहतक। मासिक वैदिक सत्संग में प्रवचन देते अमेरिका से आए डॉ. सतीश प्रकाश व अन्य।

महर्षि दयानंद से संबंधित संस्मरण सुनाए

मुख्यवक्ता वैदिक विद्वान डॉ. सुरेंद्र कुमार (पूर्व अध्यक्ष, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय) तथा डॉ. सतीश प्रकाश (अमेरिका) का मासिक वैदिक सत्संग पहुंचने पर स्वागत किया गया। डॉ. सतीश प्रकाश ने महर्षि दयानंद के जीवन से संबंधित अनेक संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि हम उनका उपकार जीवनभर नहीं भूल सकते। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर अजमेर जाने की प्रार्थना की।

शब्द गुरबाणी कीर्तन से संगतों को निहाल किया

रोहतक। गुरूद्वारा टिकाणा साहिब में प्रवचन देते महंत दिलबाग सिंह ।

■ गुरुद्वारा टिकाणा साहिब में सालाना संत समागम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महान कीर्तन दरबार गुरूद्वारा टिकाणा साहिब में महंत बाबा साहिब दयाल (शाह जीवणे वाले) महापुरुषों की याद में चल रहे तीन दिवसीय सालाना संत समागम व महान कीर्तन दरबार का रविवार को श्रद्धा के साथ समापन हो गया। 3 मई को श्री अखंड पाठ साहिब आरंभ हुए थे, जिसकी समाप्ति रविवार को सुबह हुई।

वहीं 4 मई शाम को दीवान सजाया गया। रविवार को सुबह से दोपहर 3 बजे तक महान कीर्तन दरबार सजाया गया। इस दौरान संगतों ने गुरूद्वारे में माथा टेका। गुरुद्वारा के दीवान हाल को रंग बिरंगे फूलों ब लड़ियों से सजाया गया। समागम में भाई जोगिंदर सिंह रियार लुधियाना वाले, भाई सरबजीत सिंह श्रीपटना साहिब वाले, भाई गुरमेल सिंह कोयल, भाई गुरदेव सिंह ने शब्द गुरबाणी कीर्तन द्वारा संगतों को निहाल किया, जिसमें हाऊ देखा दर्शन तेरा राम, लख खुशियां पातशाईया जे सतगुर नदर करे त राम हे एको संता को मत कोई निंदो, बादशाह दरवेश गुरु गोबिंद सिंह हक हक आदेश गुरु गोबिंद सिंह व काफी शब्द गायन किए। महंत दिलबाग सिंह सेवापंथि ने भी प्रवचनों से संगतों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने महंत बाबा साहिब दयाल के जीवन के बारे में संगतों को बताया। इस मौके पर मनीष ग्रोवर पूर्व मंत्री, भूपिंदर सिंह हुड्डा पूर्व मुख्यमंत्री, भारत भूषण बत्रा विधायक, अवतार सिंह कोचर, गुरप्रीत सिंह कोचर, परमिंदर सिंह कोचर, जितेंद्र बवेजा, मनोहर कोचर, मोनू जुनेजा, ओम अनेजा, महिंदर धींगरा, राजविंदर कोचर आदि मौजूद रहे।

मेधावी विद्यार्थी सम्मानित...

रोहतक। बड़ा बाजार स्थित जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 12वीं कक्षा में अव्वल अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शनिवार को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के संयोजक अशोक जैन ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दीपक जैन, विनय जैन, मुकेश जैन, परवीन जैन, नरेश जैन आदि मौजूद रहे।

जली हुई अवस्था में मिला महिला का शव

झज्जर। शनिवार रात क्षेत्र के गांव मुंडाहेड़ा-कोयलपुर रोड पर जली अवस्था में शव मिला। रात को जब मुंडाहेड़ा ग्राम सरपंच कोयलपुर रोड पर घूमने गया तो उसने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी डॉक्टर अर्पित जैन ने घटनास्थल का मुआयना किया और सीआईए व थाना प्रबंधक साल्हावास को मामले की गहनता से जांच करने व दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। बाद में पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए शव को स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। शव जला होने के कारण रविवार को उसका पोस्टमार्टम रोहतक पीजीआई में कराया गया।

भोजन की बर्बादी रोकने के लिए मुहिम चलाई

■ बसस्टैंड पर आरएचए के सदस्यों ने किया लोगों को जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

भोजन की बर्बादी रोकने के मकसद से रोबिन हुड आर्मी की स्थानीय इकाई द्वारा रविवार को शहर में मुहिम चलाई गई। इस मुहिम के तहत संस्था के सदस्यों ने बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन के नीचे जुटे। यहां मानव श्रृंखला बनाकर अपने हाथों में लिए हुए स्लोगनों के जरिये जागरूकता का संदेश दिया।

इस दौरान बसों और अन्य वाहनों पर भोजन बचाने, बर्बादी रोकने संबंधित स्टीकर लगाए गए। लोगों को बताया गया कि किसान की कड़ी मेहनत के बाद खेत में अन्न पैदा होता है और फिर उस अन्न को अपने घर तक लाने में लोगों को भी खूब परिश्रम करना पड़ता है। हमें भोजन का महत्व समझना चाहिए। घर हो या बाहर किसी कार्यक्रम में, थाली में भोजन उतना ही लें जितना खा सकें। अक्सर बचा हुआ डस्टबिन, चौराहों, कचरे के ढेर में देखने को मिलता है। हमारे आसपास बहुत से ऐसे परिवार हैं, जिन्हें दो वक्त की रोटी भी ठीक से नसीब नहीं हो पाती। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि खाना बर्बाद होने से रोकें।

यदि किसी के पास भोजन बच जाता है तो वह हमें (आरएचए) दें, हम जरूरतमंद लोगों तक उसे पहुंचाएंगे। इससे भोजन की बर्बादी भी बचेगी और किसी का पेट भी भर जाएगा। इस दौरान बहुत से लोगों ने संस्था को सहयोग करने का आश्वासन दिया और इस मुहिम की प्रशंसा की। बता दें कि रोबिन हुड आर्मी जरूरत मंद लोगों को खाना उपलब्ध कराने में सराहनीय कार्य कर रही है।

बहादुरगढ़। बस स्टैंड पर लोगों को जागरूक करते आरएचए के सदस्य।

बहादुरगढ़। सेक्टर-2 में हुए कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्मकुमार और ब्रह्माकुमारी। फोटो: हरिभूमि

अध्यात्म में मर्यादा का पालन जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

■ कर्मों में परमात्मा की याद समाई हो तो सफलता मिलना निश्चित

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवाकेंद्र में माउंट आबू से पधारे 77 वर्षीय राजयोगी बीके जमुना प्रसाद ने अध्यात्म मार्ग में उन्नति करने के विषय में अपने विचार रखे। सेवा केंद्र की संचालिका बीके विनीता दीदी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 64 वर्ष से अपने जीवन को परमात्मा की सेवा में अर्पण कर जनकल्याण का कार्य करने वाले राजयोगी बीके जमुना प्रसाद का बहादुरगढ़ में आना सौभाग्य की बात है। राजयोगी बीके जमुना प्रसाद ने कहा कि कर्मों में परमात्मा की याद समाई हो, तो सफलता मिलना निश्चित है। धन का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हमारे पास जो कुछ भी है, उसे परमात्मा की अमानत समझकर चलना चाहिए। अपने को सदा रूहानी स्थिति में स्थित रखकर दूसरों को भी रूह अर्थात आत्मा समझेंगे, तो हम सब भी रूहे गुलाब की तरह बन जाएंगे। ब्रह्माकुमारीज बहादुरगढ़ की मुख्य संचालिका बीके अंजली दीदी ने कहा कि हमें सदा दूसरों को सुख देना है। परंतु ध्यान रहे कि मर्यादा तोड़कर किसी को सुख दिया, तो वह भी दुख के खाते में जमा हो जाता है। इसलिए अध्यात्म मार्ग पर सदा नियम मर्यादाओं में चलना ही अध्यात्म मार्ग में उन्नति प्राप्त करना है। इस अवसर पर बीके रामफल, बीके विनय, बीके सतीश, व बीके संदीप सिंघल आदि उपस्थित रहे।

अपनी जमीन नाम चढ़वाने के लिए 7 साल से भटक रहा ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

■ सीएम-पीएम से लगा चुका गुहार, आरटीआई में भी नहीं मिली सूचना

राजस्व विभाग द्वारा 7 साल पहले की गई एक त्रुटि को दुरुस्त करवाने के लिए गांव सोलधा निवासी एक ग्रामीण पटवारी से लेकर प्रधानमंत्री तक से गुहार लगा चुका है। चार वर्ष पहले जिला राजस्व अधिकारी द्वारा इस संबंध में फैसला सुनाए जाने के बावजूद पीड़ित की सुनवाई नहीं हो रही है। सीएम विंडो से लेकर पीएम तक शिकायत भेजने के अलावा उसने आरटीआई की भी मदद ले ली, लेकिन न्याय नहीं मिला।

बता दें कि गांव सोलधा निवासी हंसराज पुत्र उमराव और कंवरभान पुत्र रामानंद के खाद गड्ढे अथवा प्लॉट को राजस्व रिकॉर्ड में वर्ष 2016 के दौरान एक अन्य व्यक्ति के नाम चढ़ा दिया गया। इसके बारे में जानकारी मिलते ही उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी के समक्ष अपील की। तमाम साक्ष्यों के आधार पर डीआरओ ने 18 जुलाई 2019 को तहसीलदार एवं सीओ बहादुरगढ़ को रिमांड के लिए आदेश पारित कर दिया था। लेकिन करीब 4 साल के बाद भी यह आदेश क्रियान्वित नहीं हुआ। गत चार वर्षों से वे सरकारी कार्यालयों में चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी फरियाद नहीं सुनी जा रही। इस मामले में पीड़ित हंसराज द्वारा आरटीआई एक्ट के तहत आवेदन कर जानकारी भी मांगी गई। कोई सूचना नहीं मिली तो प्रथम अपील भी की, लेकिन जानकारी नहीं मिली। अब हंसराज ने राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील की है।

करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

झज्जर। रविवार सुबह शहर के भट्ठी गेट क्षेत्र में शहीद रमेश कुमार राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सामने स्थित बिजली के ट्रांसफार्मर के पोल में करंट आने के कारण एक भैंस की मौत हो गई। सुबह करीब नौ बजे हुए इस हादसे के बाद राहगीर व मौहल्लावासी एकत्रित हो गए। उसके बाद भैंस पालक अरविंद गुर्जर द्वारा पहले बिजली निगम को इसकी सूचना दी गई बाद में डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचित किया। अरविंद ने बताया कि वह अपनी भैंस को गुर्जर धर्मशाला के नजदीक पानी पिलाने के लिए ले जा रहा था। यहां स्कूल के नजदीक नाला ओवरफ्लो होने के कारण गंदा पानी सड़क पर फैला हुआ था। जिस कारण वह पानी से बचते हुए नाले के ऊपर जाने लगा लेकिन उसकी भैंस जब पानी के बीच से गुजरने लगी तो वह बिजली करंट की चपेट में आ गई। करंट लगने के कारण भैंस ने मौके पर दम तोड़ दिया। ऐसे में उसे करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

जलघर के ऑपरेटर की बाइक ले भागे हमलावर

खेड़का गुर्जर के जलघर के ऑपरेटर ने कमरे में बंदकर खुद की जान बचाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव खेड़का गुर्जर स्थित जलघर के ऑप्रेटर पर हमला करने के लिए कई युवक अचानक आ धमके। कुलहाड़ी व डंडे लेकर आए हमलावरों से बचने के लिए ऑप्रेटर ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। जब ऑप्रेटर के परिजन आए तो हमलावर उसकी बाइक लेकर भाग गए। शिकायत के आधार पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात सावन के साथ हुई है। सावन का कहना है कि वह गांव के जल घर में ऑप्रेटर है। शनिवार को जलघर में ड्यूटी पर था। इसी दौरान गांव का निवासी एक युवक अपने कुछ साथियों संग वहां आए। उनके हाथ में कुल्हाड़ी तथा डंडे थे। वे मारने के लिए मेरी तरफ दौड़े। उन्हें देखकर मैं भागा और एक कमरे में खुद को बंद कर जान बचाई। इसी दौरान अपने ताऊ के लड़के के पास फोन उसे जल्द आने के लिए गया। हमलावर लगातार उसे बाहर निकालने के लिए दरवाजा पीटते रहे। जैसे ही भाई आया तो वे हमलावार जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। जाते-जाते जलघर में खड़ी मेरी बाइक भी उठा ले गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। उधर, सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वारदात की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

पुलिस ने सावन की शिकायत पर गांव के ही निवासी एक युवक व उसके साथियों पर संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को काबू कर मामला सुलझाया जाएगा।

मतदाता के अधिकारों को सशक्त बनाती है केवाईसी एप : अजय कुमार

केवाईसी एप से देखें अपने उम्मीदवार की प्रोफाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ प्रत्याशी की जानकारी प्राप्त करने में सहायक है केवाईसी ऐप

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सर्वोपरि होता है और मतदाता को सशक्त बनाने के लिए चुनाव आयोग ने तकनीक के युग में बड़े कदम उठाए हैं। चुनाव में मतदाता अपने लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं की प्रोफाइल से अवगत हों, इसके लिए आयोग ने स्पेशल केवाईसी (नो योर कैंडिडेट) ऐप की शुरुआत की है, जिससे मतदाता चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन में दर्ज जानकारी को देख सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय कुमार

उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा जारी ऐप के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। आयोग द्वारा केवाईसी ऐप शुरू की गई है, जो चुनाव प्रक्रिया में काफी अहम रोल रखती है। इस ऐप के जरिये कोई भी व्यक्ति स्वयं के लोकसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि समूचे भारत की लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन पत्र देख सकता है। उम्मीदवारों द्वारा नामांकन में दर्ज की गई विस्तृत जानकारी इस ऐप के माध्यम से देखी जा सकती है।

नो योर कैंडिडेट (केवाईसी) नाम की यह ऐप गूगल प्ले स्टोर या एप्पल स्टोर से फ्री में डाउनलोड की जा सकती है। इस ऐप पर उम्मीदवार का नाम, पिता/पति, पार्टी, उम्र, लिंग, पता, राज्य, विधानसभा/लोकसभा की जानकारी मेन डिस्प्ले में दिखाई देती है। इसके साथ ही उम्मीदवार द्वारा नामांकन के दौरान दिया गया हलफनामा इस ऐप में अपलोड किया जाता है। मतदाता सीधे उम्मीदवार के हलफनामे में दी गई जानकारी प्राप्त सकते हैं। इसके अलावा ऐप पर चुनाव के दौरान सभी नामांकन, स्वीकार नामांकन, निरस्त हुए नामांकन और नाम वापस लेने वाले प्रत्याशियों की भी जानकारी मिलती है।

सामान्य पर्यवेक्षक रेड्डी रोहतक पहुंचे

रोहतक। भारत चुनाव आयोग द्वारा रोहतक संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त किए गए सामान्य पर्यवेक्षक डॉ एन. प्रभाकर रेड्डी (आईएएस)आज रोहतक पहुंच गए। स्थानीय सिंचाई विश्रामगृह में नगराधीश अंकित कुमार ने पुष्पगुछ भेंट कर डॉ रेड्डी का स्वागत किया। सामान्य पर्यवेक्षक प्रातः 9:00 बजे से 10:30 तक सिंचाई विश्राम गृह में उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान कोई भी व्यक्ति उनके समक्ष चुनाव से संबंधित शिकायत रख सकता है। उनके मोबाइल नंबर 9350831608 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
BHGYASHREE Bollywood Actors
DR. KAWATRA M. 9215161430
निःसंतान दम्पत्तियों
को शादी के सालों साल बाद जब हमारे ईलाज से उन दम्पत्तियों को संतान सुख प्राप्त हुआ, उन लाभार्थ दम्पत्तियों के नाम व पते हमारे पास सुरक्षित हैं।
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
COMPUTER OPERATOR (F) 4
COMPUTER OPERATOR (M) 4
PHARMACY STAFF 3
CHEMIST SHOP STAFF 2
WARD BOY 2
GATE KEEPER 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

समीर गुलिया और लक्ष्य दहिया बने संयुक्त विजेता

रोहतक। ऑल इंडिया टूर्नामेंट्स एसोसिएशन द्वारा गत दिनों दिल्ली में राष्ट्रीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें रोहतक के समीर गुलिया और लक्ष्य दहिया संयुक्त विजेता बने। अंडर 18 आयु वर्ग में इन दोनों खिलाड़ियों ने डबल सेट में अपने विरोधियों को 6-3 से हराया। समीर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में रहते हैं। इनकी मां प्रीति यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर हैं।

महर्षि दयानंद विवि ने 75 रन से जीता मैच, योगेन्द्र सिवाच ने तीन विकेट झटके

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

■ स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरूकता को लेकर जिला प्रशासन एकादश और एमडीयू एम्लाइज के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदान जागरूकता को लेकर जिला प्रशासन एकादश और एमडीयू एम्लाइज के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित इस मैत्री क्रिकेट मैच का शुभारंभ कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने टॉस का सिक्का उछाल कर किया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि खेल स्वस्थ जीवन शैली का आधार है। खेल से जहां टीम भावना, नेतृत्व जैसे गुणों का विकास होता है, वहीं कार्य क्षमता में भी अभिवृद्धि होती है। उन्होंने मतदान करने की अपील करते हुए दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि लोकसभा चुनाव में हर वोटर मतदान करे। उन्होंने एमडीयू शिक्षकों एवं कर्मियों से समाज में मतदान के लिए जागरूकता की अलख जगाने का आह्वान किया। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने इस अवसर पर बताया कि एमडीयू में विभिन्न कार्यक्रमों में मतदान शपथ दिलाकर वोटरों को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है।जिला प्रशासन एकादश ने टॉस जीतते हुए पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। एमडीयू एम्लाइज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाए। एमडीयू टीम की तरफ से दीपक कुमार ने 23 गेंदों पर ताबड़तोड़ 57 रनों की पारी खेली। डॉ. विपिन सैनी ने 55 तथा नरेन्द्र शिलक ने 46 रन बनाए। जिला प्रशासन की टीम के गेंदबाज अमित कुंडू ने दो व सत्यदेव मलिक ने एक विकेट लिया। जिला उपायुक्त अजय कुमार ने एक किफायती ओवर डालते हुए मात्र चार रन दिए।

रोहतक। मदवि के सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित स्वीप कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन एकादश तथा एमडीयू एम्लाइज क्रिकेट दोनो टीमों के साथ कुलपति प्रो. राजबीर सिंह । फोटो : हरिभूमि

जिला प्रशासन एकादश को 187 रन का टारगेट मिला

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिला प्रशासन एकादश टीम ने सधी हुई शुरूआत की। उपायुक्त अजय कुमार ने पावर प्ले में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए एक छौर थामे रखा, लेकिन दूसरे छौर पर विकेट लगातार गिरते रहे, जिसके चलते पूरी टीम 111 रन ही बना सकी। एमडीयू एम्लाइज ने यह मैत्री मैच 75 रनों से अपने नाम किया। एमडीयू की तरफ से गेंदबाजी में कप्तान कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने पावर प्ले में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पहली विकेट झटकी। इसके अलावा योगेन्द्र सिवाच ने तीन, प्रवीन कुमार ने तीन तथा पंकज नैन ने एक विकेट प्राप्त किया। डॉ. विपिन सैनी ने शानदार रन आउट किया। डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा तथा प्रतिष्ठित क्रिकेट मेंटर भैरोदत्त ने अंपायरिंग का दायित्त्व निर्वहन किया। खेल निदेशक प्रो. आरपी गर्ग ने इस मैत्री क्रिकेट मैच का समन्वयन किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन एकादश तथा एमडीयू एम्लाइज क्रिकेट टीम के सदस्यगण व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

217 बूथों पर मतदान करेंगे महम विस के 1 लाख 97 हजार 407 मतदाता

18वीं लोकसभा के लिए प्रदेश में 25 मई डाले जाएंगे वोट,1 लाख 5 हजार 662 पुरुष वोटर

राज कुमार नरवाल ▶▶ महम

देश की 18वीं लोकसभा चुनाव के लिए हरियाणा में 25 मई को मतदान होगा। लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर रोहतक लोकसभा के महम विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। चुनाव से संबंधित इस हलके के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो यहां 1 लाख 97 हजार 407 कुल मतदाता हैं। जोकि 217 बूथों पर अपने मत का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 लाख 5 हजार 662 पुरुष वोटर हैं, जबकि 91 हजार 745 महिला मतदाता हैं। 18 से 30 वर्ष तक के यहां पर 29 हजार 72 पुरुष मतदाता हैं। जो कि कुल पुरुष मतदाताओं का 27 प्रतिशत हैं। वहीं 18 से 30 साल तक की महिला मतदाताओं की संख्या 20 हजार 244 है। जो कि महिला मतदाताओं का 22 प्रतिशत है। 31 से 60 साल तक की उम्र के सबसे अधिक मतदाता हैं। इस आयु वर्ग के 59 हजार 507 पुरुष मतदाता हैं। जबकि 31 से 60 साल की 51 हजार 759 महिला मतदाता हैं।

महिला और पुरुष दोनों ही अपने वर्ग में 56-56 प्रतिशत हैं। 61 वर्ष और उससे अधिक उम्र के मतदाताओं में 17083 पुरुष मतदाता हैं। जो कि पुरुषों के वर्ग का 16 प्रतिशत भाग है। वहीं 61 वर्ष या उससे अधिक की महिला मतदाताओं की संख्या 19742 है। जोकि महिलाओं का 22 प्रतिशत भाग बनता है।

महम के एसडीएम कम इलेक्शन एआरओ दलबीर सिंह फोगाट लोकसभा चुनाव से संबंधित पूरा काम काज देख रहे हैं। उनकी अगुवाई में कई टीमें काम कर रही हैं। महम विधानसभा क्षेत्र में 20 सेक्टर ऑफिसर लगाए गए हैं। फ्लाइंग स्क्वेड की 6 टीमें दिन रात काम कर रही हैं। तीन स्टेटिकल सर्विलेंस टीम लगाई गई हैं, जो कि नाके लगाकर चैकिंग अभियान चला रही हैं। चुनाव कार्य देख रहे आईटीआई फरमाणा के प्रिंसिपल सुरेश कुमार अहलावत ने बताया कि एआरओ दलबीर सिंह फोगाट चुनाव के मामले में काफी गंभीर हैं, वे खुद समय समय पर उनको निर्देश दे रहे हैं और उनके कार्य का अवलोकन कर रहे हैं। नुक्कड़ सभा, जनसभा और रैली आदि में लगाए गए बैनर और पोस्टर आदि की वीडियोग्राफी करने के लिए वीएसटी टीम बनाई गई है। जिसको वीडियो सर्विलेंस टीम कहा जाता है। खर्च का ब्यौरा एकत्रित करने के लिए एक्सपेंडिचर टीम बनाई गई है।

महम। लघुसचिवालय में चुनाव संबंधित कार्य में जुटे चुनाव अधिकारी और स्वीप टीम द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत लाखन माजरा में मतदान करने की शपथ लेती महिलाएं।

- 18 से 30 वर्ष तक के यहां पर 29 हजार 72 पुरुष मतदाता
- 31 से 60 साल तक की उम्र के सबसे अधिक मतदाता हैं
- महिला और पुरुष दोनों ही अपने वर्ग में 56-56 प्रतिशत
- 61 वर्ष या उससे अधिक की महिला मतदाताओं की संख्या 19742 है

महम विस क्षेत्र के 22 बूथ संवेदनशील घोषित

चुनावी रैली के लिए प्रशासन द्वारा चौबीसी चबूतरा और खेल स्टेडियम की जगह निर्धारित की गई है। यदि कोई पार्टी या उम्मीदवार रैली करना चाहता है, तो उसके लिए इन दो जगहों का विकल्प है। यह चुनाव संबंधित टीम को फैसला लेना है कि किसको किस जगह पर रैली की परमिशन देनी है। मीडिया कम्पलेंट टीम भी गठित की हुई है, जिसका इंचार्ज मार्केट कमेटी के नवीन को बनाया गया है। ये प्रचार सामग्री से संबंधित कार्य देख रहे हैं। महम विस की ईवीएम मशीनों को महारानी किशोरी कन्या महाविद्याल में रखा जाएगा। गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज महम के प्रिंसिपल दिनेश सिंधु को ईवीएम इंचार्ज लगाया गया है। महम विस क्षेत्र के 22 बूथ संवेदनशील घोषित, सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे।

पर्याप्त सुरक्षाबलों को किया जाएगा तैनात

महम। चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए चुनाव आयोग और पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। महम विधानसभा क्षेत्र-60 की बात करें तो यहां पर पुलिस द्वारा 22 बूथों को संवेदनशील घोषित किया गया है। संवेदनशील बूथों के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। यहां पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। संवेदनशील बूथों में लाखन माजरा के बूथ नंबर 31, बैंसी में बूथ नंबर 50, निंदाना में बूथ नंबर 53 व बूथ नंबर 58, गिरावड़ में बूथ नंबर 114, भगवतीपुर में बूथ नंबर 124, मदीना गिंधराण में बूथ नंबर 133, 134, 135, 136, 137 और मदीना कोरसान में बूथ नंबर 138, 139 व 140 को शामिल किया गया है। इसके अलावा किशनगढ़ गांव का बूथ नंबर बूथ नंबर 145 व 146, बहलबा गांव का बूथ नंबर 156, खरकड़ा गांव का बूथ नंबर 169 व 170, मोखरा खेड़ी रोज का बूथ नंबर 175, मोखरा खास का बूथ नंबर 185 और बहु अकबरपुर का बूथ नंबर 198 संवेदनशील बूथ की श्रेणी में रखे गए हैं।

किया जा रहा जागरूक

रोहतक लोकसभा क्षेत्र में अधिक से अधिक मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकें। इसके लिए एडीसी के नेतृत्व में स्वीप टीम बनाई हुई है। गवर्नमेंट कॉलेज महम के प्रिंसिपल रोहित कुमार इस टीम के नॉडल ऑफिसर हैं। रोहित कुमार ने बताया कि उनकी टीम में 52 अधिकारी शामिल हैं। जो मतदाताओं को जागरूक करने के काम में लगे हुए हैं। ताकि सभी अपने मत का प्रयोग कर सकें और मतदान प्रतिशत बढ़ सके। क्योंकि कई बार पढ़े लिखे और शांतिप्रिय लोग मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लेते। मतदान के दिन छुट्टी समझकर घर पर ही आराम करना उचित समझते हैं। लेकिन अच्छे व समझदार लोगों द्वारा चुनाव में मतदान न करने से गलत लोगों का चुनाव हो जाता है। इसलिए सभी मतदाताओं द्वारा मतदान करना जरूरी है।

चुनाव अधिकारी सुरेश कुमार अहलावत ने बताया कि एसडीएम ने तहसीलदार अजीत सिंह को चुनाव कार्य का ऑवर ऑल इंचार्ज बनाया हुआ है। यदि किसी को चुनाव से संबंधित शिकायत है, तो उसके लिए ऑन लाइन शिकायत ली जा रही है। आईटी एप्लिकेशन के लिए सीविजिल टीम बनाई गई है। एफएसटी की टीमें दिन रात काम कर रही हैं। 100 मिनट के भीतर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यदि कोई आचार संहिता का उल्लंघन कर रहा है तो इसकी शिकायत भी यहां पर दी जा सकती है। इसके अलावा यदि किसी को लाउड स्पीकर और रैली आदि की परमिशन लेनी है तो वह भी ऑन लाइन ली जा सकती है।

स्वामी नितानंद स्कूल में मनाया मदर्स डे

रोहतक। स्वामी नितानंद स्कूल में शनिवार को मदर्स डे मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से दूसरी तक की माताओं को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम में माताओं के लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें गुब्बारे फोड़ना, पेपर टॉसिंग, बुक बैलेंसिंग आदि गतिविधियां शामिल रही। सभी ने अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया। कुसुमलता, प्रीति, ज्योति, सुमन, निशा व ललिता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राईमरी अध्यापिका कविता ने बताया कि प्रतिस्पर्धा बहुत रोमांचक रही। उप-प्रधानाचार्या डॉ. अन्नु धनखड़, छवि व मोनिका ने सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी।

विश्व अस्थमा दिवसः 200 मरीजों की हुई जांच

रोहतक। झज्जर रोड पर विश्व अस्थमा दिवस के मौके पर निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें पलमोनरी मेडिसिन एमडी स्पेशलिस्ट डॉक्टर अंकित खुराना ने रोगियों की जांच की। शिविर में उन्होंने मरीजों से आह्वान किया कि जिस व्यक्ति को सांस की तकलीफ है, वह समय-समय पर अपने फेफड़ों की जांच करवा कर डॉक्टर के परामर्श अनुसार दवा लेते रहें। डॉक्टर खुराना ने कहा कि आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति का रहन-सहन और खान-पान में बदलाव होना, इसका मुख्य कारण देखने को मिला है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपील की कि वह फास्ट फूड से परहेज करें और अल्कोहल का भी सेवन न करें। उन्होंने कहा कि वातावरण प्रदूषित होने की वजह से भी लोगों को सांस की बीमारी हो रही है। शिविर में 200 मरीजों के फेफड़े की जांच की गई।

यज्ञ में आहुति डाल सबके मंगल की कामना की

रोहतक। वैशाख मास की द्वादशी को जय मां गायत्री यज्ञशाला पर हवन का आयोजन किया गया, जिसमें सतीश सुनेजा, अनिल, कमल, दीपशिखा, भोलू, मुकुल शर्मा, संजय पांचाल, गौतम, ईश्वर आदि ने हवन में औषधि युक्त सामग्री से आहुतियां डाली। पंडित हरिओम वशिष्ठ ने बताया कि जो जीवन से प्यार करते हैं वह समय व्यर्थ नहीं गंवाया करते, हवन में सम्मिलित होकर अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं, ऐसा शास्त्रों में बताया गया है। वैशाख माह में किए गए धर्म एवं दान के कार्यों का विशेष महत्व है, इस माह में पौधारोपण पशु पक्षियों के लिए पानी का प्रबंध आदि करना, साथ ही गो सेवा हरा चारा खिलाना विशेष लाभकारी है। स्वस्थ जीवन ही सफलता की कुंजी है।

डिंगरहेड़ी कांडः पीड़ित परिवार को नौकरी देने की मांग

रोहतक। कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने डिंगरहेड़ी कांड के दोषियों को विशेष सीबीआई कोर्ट द्वारा फांसी की सजा दिए जाने का स्वागत किया है। माकपा राज्य सचिव सुरेंद्र सिंह ने कहा कि नूंह जिला के डिंगरहेडी में 24 अगस्त 2016 को हुए बर्बर सामूहिक बलात्कार व हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। हालांकि उस समय के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इसे छोटी-मोटी घटना बताया था। मुख्यमंत्री या सरकार के अन्य किसी भी मंत्री ने पीड़ित परिवार से मिलना तो दूर संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। आरोपियों को बचाने के लिए जातिय पंचायतें भी की गईं। पीड़ित परिवार ने कई तरह के दबाव और उत्पीड़न झेले। परन्तु उन्होंने डटकर न्याय के लिए लड़ाई लड़ी और साढ़े सात बाद विशेष सीबीआई कोर्ट ने 4 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। माकपा इस मामले में शुरू से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी रही। उस समय माकपा सांसद पी. करूणाकरन, बदरूद्दीन खान, पूर्व सांसद निलोत्पल तथा राज्य के नेता डिंगरहेडी में परिवार से मिलने पहुंचे थे और इस मामले को संसद तक उठाया। दोषियों को सजा होना स्वागत योग्य है परंतु पीड़ित परिवार का पुनर्वास सुनिश्चित होना बाकी है। माकपा ने मांग की कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी दी जाए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

5 से 16 साल तक के बच्चों ने लिया भाग

बाल आध्यात्मिक शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सावन कृपाल रूहानी मिशन की गोहना रोड़ पर स्थित रोहतक शाखा कृपाल आश्रम की ओर से रविवार को बाल आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया गया, जिसका विषय 2024 में ज्यादा से ज्यादा ध्यान-अभ्यास करें रहा। बच्चों के लिए लगाए गए इस बाल आध्यात्मिक शिविर में 5 साल से लेकर 16 साल तक प्रदेश भर से आएं सैकड़ों बच्चों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया।

बाल आध्यात्मिक शिविर में बच्चों को ध्यान-अभ्यास की विधि सिखाकर उन्हें प्रतिदिन ज्यादा से ज्यादा समय ध्यान-अभ्यास पर बैठने की प्रेरणा दी गई। इस मौके पर बच्चों के लिए आत्म-निरीक्षण डायरी, स्वस्थ जीवन शैली, शाकाहारी भोजन, सूफी कव्वाली व संगीत, कविता पाठ और चित्रकला जैसे विषयों पर अनेक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने अपनी योग्यता व प्रतिभा का परिचय दिया। चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों के चित्रों को देखकर लगा, मानो उन्होंने अपने हृदय के विचारों को रंगों में ढालकर परमात्मा से संबंध स्थापित करने की एक छोटी सी कोशिश की हो।

शिविर में भाग लेने वाले बच्चों के अभिभावकों को ये जानकारी भी दी गई कि वे अपने बच्चों को हर रविवार सुबह 10:30 से 11:30 बजे कृपाल आश्रम में आयोजित बाल सत्संग में जरूर भेंजे। अभिभावकों ने कहा कि ऐसे शिविरों के द्वारा बच्चों में नैतिक गुणों का विकास होता है, जिससे कि एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

नैतिक जीवन जीने की दी जाती है शिक्षा

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह महाराज के मार्गदर्शन में बच्चों के आध्यात्मिक विकास के लिए बाल सत्संग की स्थापना की गई है, जिसमें उन्हें अध्यात्म के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ नैतिक जीवन जीने की शिक्षा दी जाती है ताकि वे शुरू से ही अपने जीवन में सद्गुणों को ढाल सकें और शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक स्तर पर भी सफलता प्राप्त कर सकें।

वाईएचएआई के प्रधान बने अंशुल पठानिया और जनरल सेक्रेटरी एडवोकेट डॉ. दीपक भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (वाईएचएआई) की रोहतक इकाई के चुनाव इलेक्शन अधिकारी भिवानी इकाई के जनरल सेक्रेटरी नरेश गोयल की देख-रेख में रोहतक में संपन्न हुए। जिसमें प्रधान पद के लिए अंशुल पठानिया, चेयरमैन जनार्दन शर्मा निर्विरोध चुने गए। वहीं जनरल सेक्रेटरी पद के लिए एडवोकेट डॉ. दीपक भारद्वाज को निर्वाचित किया गया। प्रधान अंशुल पठानिया ने रोहतक इकाई को एक नए आयाम पर पहुंचने का दृढ़ संकल्प भी लिया।

नव निर्वाचित जनरल सेक्रेटरी एडवोकेट डॉ. दीपक भारद्वाज ने बताया कि यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (वाईएचएआई) के चुनाव आज संपन्न हुए, जिसकी प्रक्रिया मार्च 2024 से प्रारंभ हो गई थी। जिसमें अलग-अलग पद के लिए आए हुए नामांकन के आधार पर रविवार को चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें प्रधान अंशुल पठानिया, चेयरमैन जनार्दन शर्मा, उप प्रधान डॉ. अमरजीत सिंह राठी और रेलवे से रिटायर्ड अधिकारी मुकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष महेंद्र पुनियानी चुने गए। वहीं एग्जीक्यूटिव मेंबर के पद पर जय भगवान राणा, रिंकू परमार, वीर सिंह आर्य, नकुल शर्मा, अभिजीत सिंह, अमित शर्मा का चयन हुआ।

इसके साथ-साथ पूर्व में रहे पैटर्न एवं नगर सुधार मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा को भी सर्वसम्मति से रोहतक इकाई का पैटर्न नियुक्त किया गया और साथ ही ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री पद के लिए एडवोकेट रवि ठाकुर को चुना गया। इस अवसर पर आजाद बुधवार, राजेश आर्य, राकेश सैनी, सोनू भारद्वाज आदि भी उपस्थित रहे।

रिटायर कर्मचारियों ने केंद्र और राज्य सरकार को कोसा

रोहतक। हरियाणा स्टेट पेंशनरज समाज एवं अन्य संगठनों की संयुक्त बैठक मानसरोवर पार्क के सीनियर सिटिजन क्लब भवन में सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता जिला रोहतक प्रधान देबी सिंह देशवाल एवं कार्यकारी प्रधान विरेन्द्र शर्मा ने की। मीटिंग के मुख्य अतिथि हरियाणा रिटायर्ड कर्मचारी कांग्रेस सैल के नवनियुक्त चेयरमैन महाबीर सिंह मलिक रहे। जिले के सभी रिटायर्ड कर्मचारियों ने फूलमाला एवं बुक्कों से उनका स्वागत किया और सभी ने महाबीर मलिक को पूरा सहयोग देने का प्रस्ताव पास किया। चेयरमैन महावीर सिंह सर्वसम्मति से जिला प्रधान देबी सिंह देशवाल को रिटायर्ड कर्मचारी ग्रामीण व देहात जिला रोहतक का प्रधान नियुक्त किया तथा राजेन्द्र सिंह फौगाट को रोहतक शहरी जिला प्रधान नियुक्त किया। बैठक में वर्तमान हरियाणा सरकार तथा केन्द्र सरकार के विरूद्ध भारी रोष प्रकट किया गया और लोकसभा चुनाव में भाजपा का विरोध करने और इन्डिया गठबंधन का समर्थन करने का निर्णय लिया गया। मीटिंग में हरियाणा स्टेट पैंशनजर समाज के प्रधान देवराज नान्दल, चेयरमैन मेहर सिंह नैन, प्रधान महासचिव ईश्वर सिंह सैनी आदि मौजूद रहे।